Ph. D. Regulation No. 18

Ph.D. Entrance Test (PET) Syllabus (FOR SUBJECTIVE TEST)

(As per the latest syllabus for Acharya (M.A.) Course in the respective subjects of this University)

Ph.D. Entrance Test (PET) Syllabus (FOR MCQ TEST)

(As per the latest UGC NET syllabus for Paper-2 of Sanskrit (Code-25) updated in 2019)

Paper-1 (General) of PET as per Paper-1 of UGC NET Syllabus 2019

(50 Marks for 50 Questions)

Unit-1 (इकाई-1) शिक्षण अभिवृत्ति

- **शिक्षण** : अवधारणाएँ, उद्देश्य, शिक्षण का स्तर (स्मरण शक्ति, समझ और विचारात्मक), विशेषताएँ और मूल अपेक्षाएँ
- **शिक्षार्थी की विशेषताएँ :** किशोर और वयस्क शिक्षार्थी की अपेक्षाएँ (शैक्षिक, सामाजिक /भावनात्मक और संज्ञानात्मक, व्यक्तिगत भिन्नताएँ
- **शिक्षण प्रभावक तत्त्व :** शिक्षक, सहायक सामग्री, संस्थागत सुविधाएँ, शैक्षिक वातावरण
- **उच्च अधिगम संस्थाओं में शिक्षण की पद्धति :** अध्यापक केन्द्रित बनाम शिक्षार्थी केन्द्रित पद्धति, ओफ़् लाइन बनाम ओन-लाइन पद्धतियाँ (स्वयं, स्वयंप्रभा, मूक्स इत्यादि) ।
- **शिक्षण सहायक प्रणाली :** परम्परागत, आधुनिक ओर आई.सी.टी. आधारित ।
- **मूल्यांकन प्रणालियाँ :** मूल्यांकन के तत्त्व और प्रकार, उच्च शिक्षा में विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली में मूल्यांकन, कंप्यूटर आधारित परीक्षा, मूल्यांकन पद्धतियों मे नवाचार ।

Unit-2 (इकाई-2) शोध अभिवृत्ति

- शोधः अर्थ, प्रकार और विशेषताएँ, प्रत्यक्षवाद एवं उत्तर – प्रत्यक्षवाद, शोध के उपागम
- शोध पद्धतियाँ : प्रयोगात्मक, विवरणात्मक, ऐतिहासिक, गुणात्मक एवं मात्रात्मक
- शोध के चरण :
- शोध प्रबन्ध एवं आलेख लेखन : फार्मेट और संदर्भ की शैली
- शोध में आई.सी.टी. का अनुप्रयोग
- शोध नैतिकता

Unit-3 (इकाई-3) बोध

- एक गद्यांश दिया जाएगा, उस गद्यांश से पुछे गए प्रश्नों का उत्तर देना होगा ।

Unit-4 (इकाई-4) गणितीय तर्क और अभिवृत्ति

- तर्क के प्रकार
- संख्या श्रेणी, अक्षर श्रृंखला, कूट और संबंध

- गणितीय अभिवृत्ति (अंश, समय और दूरी, अनुपात, समानुपात, प्रतिशतता, लाभ और हानि, व्याज और छूट, औसत आदि)

Unit-5 (इकाई-5) युक्तियुक्त तर्क

- युक्ति के ढांचे का बोध : युक्ति के रूप, निरूपाधिक तर्कवाक्य का ढाँचा, अवस्था और आकृति, औपचारिक एवं अनौपचारिक युक्ति दोष, भाषा का प्रयोग, शब्दों का लक्ष्यार्थ और वस्त्वर्थ, विरोध का परंपरागत वर्ग
- युक्ति के प्रकार; निगमनात्मक और आगमनात्मक युक्ति का मूल्यांकन और विशिष्ठीकरण
- अनुरूपताएँ
- वेण का आरेख : तर्क कि वैधता सुनिश्चित करने के लिए वेण आरेख का सरल और बहुप्रयोग
- भारतीय तर्कशास्त्र : ज्ञान के साधन
- प्रमाण : प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द, अर्थापत्ति और अनुपलब्धि ।
- अनुमान की संरचना, प्रकार, व्याप्ति, हेत्वाभास ।

टिप्पणी - १. प्रत्येक यूनिट (इकाई) से **१-१** अंकवाले **१०** प्रश्न तैयार किए जाएंगे ।
२. यदि द्रष्टिवान परीक्षार्थी के लिए ग्राफ़/चित्र वाले प्रश्न तैयार किए जाते हैं तो द्रष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए उतने ही अंको वाले प्रश्नो के अवतरण दिए जाएंगे ।

Paper-2 (Sanskrit with Code-25) of PET as per Paper-2 of UGC NET Syllabus 2019

(50 Marks for 50 Questions)

Unit-1 (इकाई-1) वैदिकसाहित्यस्य विशिष्टाध्ययनम् (Unit-2 of UGC NET Syllabus)

1. **निम्नलिखित साहित्य का विशिष्ट अध्ययन:-**
   - **ऋग्वेद:-** अग्नि(1.1), वरुण(1.25), सूर्य(1.115), इन्द्र(2.12), उषस्(3.61), पर्जन्य(5.83), अक्ष(10.34), ज्ञान(10.71), पुरुष(10.90), हिरण्यगर्भ(10.121), वाक्(10.125), नासदीय(10.129)
   - **शुक्लयजुर्वेद:-** शिवसंकल्प, अध्याय-34(1-6), प्रजापति, अध्याय-23(1-5)
   - **अथर्ववेद:-** राष्ट्राभिवर्धनम्(1.29), काल(19.53), पृथिवी(12.1)
2. **ब्राह्मण-साहित्य :** प्रतिपाद्य विषय, विधि एवं उसके प्रकार, अग्निहोत्र, अग्निष्टोम, दर्शपूर्णमास यज्ञ, पंचमहायज्ञ, आख्यान(शुनःशेप, वाङ्मनस्) ।
3. **उपनिषद्-साहित्य :** निम्नलिखित उपनिषदों की विषयवस्तु तथा प्रमुख अवधरणाओं का अध्ययन: ईश, कठ, केन, बृहदारण्यक, तैत्तिरीय, श्वेताश्वतर।
4. **वैदिक व्याकरण, निरुक्त एवं वैदिक व्याख्या पध्दति:**
   - **ऋक्प्रातिशाख्य:** निम्नलिखित परिभाषाएं- समानाक्षर, सन्ध्यक्षर, अघोष, सोष्म, स्वरभक्ति, यम, रक्त, संयोग, प्रगृह्य, रिफित ।
   - **निरुक्त(अध्याय 1 तथा 2)**- चार पद, नाम विचार, आख्यात विचार, उपसर्गों का अर्थ, निपात की कोटियाँ ।
   - **निरुक्त अध्ययन के प्रयोजन।**
   - **निर्वचन के सिद्धान्त।**
   - **निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्ति:** आचार्य, वीर, ह्व, गो, समुद्र, वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ, वाक्, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, निघण्टु ।

- **निरुक्त**(अध्याय 7 दैवत काण्ड) ।
- **वैदिक स्वर** : उदात्त, अनुदात्त तथा स्वरित।
- **वैदिक व्याख्या पद्धति :** प्राचीन एवं अर्वाचीन।

Unit-2 (इकाई-2) दर्शनसाहित्यस्य विशिष्टाध्ययनम् (Unit-4 of UGC NET Syllabus)

- **ईश्वरकृष्ण;** सांख्यकारिका- सत्कार्यवाद, पुरुषस्वरूप, प्रकृतिस्वरूप, सृष्टिक्रम, प्रत्ययसर्ग, कैवल्य।
- **सदानन्द;** वेदान्तसार : अनुबन्ध-चतुष्टय, अज्ञान, अध्यारोप-अपवाद, लिंगशरीरोत्पत्ति, पंचीकरण, विवर्त, महावाक्य, जीवन्मुक्ति।
- **अन्नं भट;** तर्कसंग्रह/केशव मिश्र; तर्कभाषा: पदार्थ, कारण, प्रमाण (प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द), प्रामाण्यवाद, प्रमेय।

1. **लौगाक्षिभास्कर;** अर्थसंग्रह
2. **पतंजलि; योगसूत्र, -** (व्यासभाष्य) चित्तभूमि, चित्तवृत्तियाँ, ईश्वर का स्वरूप, योगाङ्ग , समाधि, कैवल्य।
3. **बादरायण;** ब्रह्मसूत्र 1.1 (शांकरभाष्य)
4. **विश्वनाथपंचानन;** न्यायसिद्धान्तमुक्तावली(अनुमानखण्ड)
5. **सर्वदर्शनसंग्रह;** जैनमत, बौद्धमत

Unit-3 (इकाई-3) व्याकरणस्य विशिष्टाध्ययनम् (Unit-6 of UGC NET Syllabus)

- **परिभाषाएँ**- संहिता, संयोग, गुण, वृद्धि, प्रातिपदिक, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनामस्थान, भ, सर्वनाम, निष्ठा।
- **सन्धि** –अच् सन्धि, हल् सन्धि, विसर्ग सन्धि (लघुसिध्दान्तकौमुदी के अनुसार) ।
- **सुबन्त** – अजन्त, राम, सर्व (तीनो लिंगो में), विश्वपा, हरि, त्रि (तीनो लिंगो में), सखि, सुधी, गुरु, पितृ, गौ, रमा, मति, नदी, धेनु, मातृ, ज्ञान, वारि, मधु।

हलन्त- लिह्, विश्ववाह्, चतुर् (तीनो लिंगो में) इदम् (तीनो लिंगो में) किम् (तीनो लिंगो में) तत् (तीनो लिंगो में), राजन्, मघवन्, पथिन्, विद्वस्, अस्मद्, युष्मद्।

- **समास** – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, बहुव्रीहि, द्वन्द्व, (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)
- **तद्धित** – अपत्यार्थक एवं मत्वर्थीय (सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)
- **तिङन्त** – भू, एध्, अद्, अस्, हु, दिव्, षुञ् , तुद्, तन्, कृ, रुध्, क्रीञ्, चुर्
- **प्रत्ययान्त** – णिजन्त; संन्नन्त; यङन्त; यङ्लुगन्त; नामधातु।
- **कृदन्त-** तव्य/तव्यत्; अनीयर्; यत्; ण्यत्; क्यप्; शतृ; शानच्; क्त्वा; क्त; क्तवतु; तुमुन्; णमुल्
- **स्त्रीप्रत्यय** – लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार
- **कारक प्रकरण** – सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार
- **परस्मैपद एवं आत्मनेपद विधान** – सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार
- **महाभाष्य (पस्पशाहिनक)** – शब्दपरिभाषा, शब्द एवं अर्थ संबंध, व्याकरण अध्ययन के उद्देश्य, व्याकरण की परिभाषा, साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम, व्याकरण पद्धति।
- **वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकांण्ड)** – स्फोट का स्वरूप, शब्द-ब्रह्म का स्वरूप, शब्द-ब्रह्म की शक्तियाँ, स्फोट एवं ध्वनि का संबंध, शब्द-अर्थ संबंध, ध्वनि के प्रकार, भाषा के स्तर ।

Unit-4 (इकाई-4) साहित्यशास्त्रस्य विशिष्टाध्ययनम् (Unit-8 of UGC NET Syllabus)

(ख) **निम्नलिखित का विशिष्ट अध्ययन:-**

- **पद्य** : बुद्धचरितम् (प्रथम), रघुवंशम् (प्रथमसर्ग), किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग), शिशुपालवधम् (प्रथमसर्ग), नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्ग)।
- **नाट्य** : स्वप्नवासवदत्तम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, वेणीसंहारम्, मुद्राराक्षसम्, उत्तररामचरितम्, रत्नावली, मृच्छकटिकम्।
- **गद्य** : दशकुमारचरितम् (अष्टम-उच्छ्वास), हर्षचरितम् (पञ्चम- उच्छ्वास),कादम्बरी (शुकनासोपदेश)
- **चम्पूकाव्य :** नलचम्पू: (प्रथम- उच्छ्वास)
- **साहित्यदर्पण** : काव्यपरिभाषा, काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन, शब्दशक्ति- (संकेतग्रह, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना), काव्यभेद (चतुर्थ परिच्छेद), श्रव्यकाव्य (गद्य, पद्य, मिश्र काव्य-लक्षण)।
- **काव्यप्रकाश:** काव्यलक्षण, काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यभेद, शब्दशक्ति, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, रसस्वरूप एवं रससूत्र विमर्श, रसदोष, काव्यगुण, व्यंजनावृत्ति की स्थापना (पञ्चम उल्लास)।

  अलंकार : वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, विरोधाभास, संकर, संसृष्टि।
- **ध्वन्यालोक; (प्रथम उद्योत)**
- **वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष)**
- **भरत-नाट्यशास्त्रम् (द्वितीय एवं षष्ठ अध्याय)**
- **दशरूपकम् (प्रथम तथा तृतीय प्रकाश)**
- **छन्द परिचय-** आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वसन्ततिलका, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, शालिनी, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, हरिणी, शार्दूलविक्रीडीत, स्रग्धरा।

Unit-5 (इकाई-5) भागवतपुराणम्-कौटिलीय-अर्थशास्त्रम्-मनुस्मृतिः याज्ञवल्क्यस्मृतिः-ज्योतिषशास्त्रस्य विशिष्टाध्ययनम् (Unit-10 of UGC NET Syllabus)

- कौटिलीय- अर्थशास्त्रम् (प्रथम-विनयाधिकारिक)
- मनुस्मृति- (प्रथम, द्वितीय तथा सप्तम अध्याय)
- याज्ञवल्क्यस्मृतिः- (व्यवहाराध्याय)
- ज्योतिषशास्त्रम्
- पुराणम् (भागवतमहापुराणम्)

टिप्पणी - १. प्रत्येक यूनिट (इकाई) से **१-१** अंकवाले **१०** प्रश्न तैयार किए जाएंगे।

२. यदि द्रष्टिवान परीक्षार्थी के लिए ग्राफ़/चित्र वाले प्रश्न तैयार किए जाते हैं तो द्रष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए उतने ही अंको वाले प्रश्नो के अवतरण दिए जाएंगे।

Ph. D. Regulation No. 19

Promotion of Academic Integrity and Prevention of Plagiarism

As per the UGC (Promotion of Academic Integrity and Prevention of Plagiarism in Higher Educational Institutions) Regulations, 2018

****

Fee Structure of Ph.D. Programme for Indian Candidates

(Fee Structure of Ph.D. Programme of Shree Somnath Sanskrit University, Veraval is as per the following details shown in the tabular form with effect from 04-06-2020. This fee structure has been approved and authenticated by the Academic Council No. 34 dated 04-06-2020 of the University. This fee structure has been approved and authenticated by the Academic Council No. 41 & Executive Council No. 81 dated 14-02-2022 of the University. Further this fee structure has been approved and authenticated by the Academic Council No. 42 dated 30-06-2022 & Executive Council No. 84 dated 07-08-2022 of the University.)

No.	Details of Fees	Amount in INR	Category
1	Ph.D. Registration Form Fee[1]	Rs. 3,880 /-	See below
2	Ph.D. Semester Fee (Six monthly from Semester-2 onwards)[2]	Rs. 3,500 /-	Non-refundable
3	Late Fee (Semester) for 10 Days	Rs. 50 /-	Non-refundable
4	Late Fee (Semester) for 11 to 20 Days	Rs. 100 /-	Non-refundable
5	Late Fee (Semester) for 21 to 30 Days	Rs. 300 /-	Non-refundable
6	Late Fee (Semester) for more than 30 Days & every late month	Rs. 500 /-	Non-refundable
7	Ph.D. Synopsis Submission Fee[3]	Rs. 6,000 /-	Non-refundable
8	Ph.D. Extension Fee for 06 Months (1 Semester)	Rs. 3,000 /-	Non-refundable
9	Ph.D. Extension Fee for 12 Months (2 Semesters)	Rs. 6,000 /-	Non-refundable
10	Ph.D. Entrance Form Fee	Rs. 600 /-	Non-refundable
11	Ph.D. Course Work Fee	Rs. 2,000 /-	Non-refundable
12	Duplicate Certificate Fee	Rs. 100 /-	Non-refundable
13	ID Card Fee	Rs. 50 /-	Non-refundable

Note: 1. All these above mentioned Ph.D. Fees are to be paid in online mode only.
2. Link for ONLINE FEES PAYMENT is available on the University website viz. **www.sssu.ac.in**

[1] **Ph.D. Registration Form Fee includes:**

1	Semester-1 & Registration Fee	:	1380	Non-refundable
2	Library Deposit	:	500	Refundable[$]
3	Education Fee	:	1520	Non-refundable
4	Development Fee	:	50	Non-refundable
5	Computer Fee	:	100	Non-refundable
6	Sports Fee	:	30	Non-refundable
7	Library Fee	:	300	Non-refundable
	Total	**:**	**3880**	

[2] Ph.D. Candidate shall deposit the Semester Fee (Semester-2 onwards) till he/she submits his/her final thesis on himself/herself. In no way, University shall make any correspondence pertaining to the payment of Semester Fees to any Ph.D. Candidate nor shall the University remind the same.

[3] The **validity of Ph.D. Synopsis Submission Fee** is strictly one year from the date any Ph.D. Candidate deposits the fee in the bank. A research candidate, who has submitted synopsis of his/her thesis, shall have to submit his/her Final Ph.D. Thesis within one year.

$Library deposit is refundable within one year after completion of final result i.e. declaration of Ph.D. Notification.